मेष राशि

जनवरी

स्वास्थ्य- गोचरस्थ ग्रहों एवं जन्मराशि के आधार पर गोचर का राहु अपनी सम्पूर्ण दृष्टि तथा शक्ति के अनुसार मेष राशि पर दृष्टिपात कर रहा है, जिसके कारण इस राशि वालों को उत्तम आहार-विहार की सुविधाएं होने पर भी स्वास्थ्य सुख अति उत्तम नहीं रहेगा। निरन्तर भ्रमित रहने की सम्भावना रहेगी, जिसके कारण स्वास्थ्य पर गहरा आघात लगेगा। शरीर की श्यामलता में विशेष वृद्धि की सम्भावना है। शारीरिक कुरुपता तथा कृशता के कारण मानसिक ग्लानि रहेगी। आवश्यकता एवं क्षमता से अधिक श्रम करने के कारण भी स्वास्थ्य में ह्रास की अधिक सम्भावना रहेगी। कभी-कभी पेट में सामान्य दर्द तथा कान की पीड़ा से पीड़ित होना पड़ेगा। सात्विक आहार में रुचि कम रहेगी, पर मादक आहार के प्रति रुचि रहेगी, जिसके फलस्वरूप स्वास्थ्य में क्षति की सम्भावना रहेगी। परन्तु कुछ अन्य गोचरीय ग्रहों के कारण रोगों का निवारण बिना औषधियों के प्रयोग से होगा। शारीररिक दुर्घटना की कोई सम्भावना नहीं बनेगी। शारीरिक कोई भी अंग-प्रत्यंग विकारयुक्त नहीं रहेंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति अनुकूल तथा प्रगतिदायक रहेगी। अर्थाभाव के कारण किसी भी कार्य अथवा प्रयोजन में अवरोध की स्थिति नहीं पैदा होगी। आर्थिक सम्पन्नता के कारण भौतिक सुखों की अनुभूति केरेंगे। अध्ययन तथा उत्तम खान-पान के साथ दूरस्थ भ्रमण में व्यय की अधिकता रहेगी। धनादिक क्षेत्र में यह मास अतीव धन देने वाला होगा। इस राशि वाले यदि व्यापार कर्म में प्रवृत्त हों तो व्यापार के माध्यम से आशातीत धनों की अधिकता के कारण मान-सम्मान-प्रतिष्ठा तथा यश में वृद्धि होगी और यदि नौकरी पेशे से जुड़े हों तो धन-यश तथा ख्याति के कारण प्रसन्नचित्त दिखाई देंगे तथा भाई एवं पारिवारिक जनों द्वारा उपहार स्वरूप धन की प्राप्ति होगी।

पारिवारिक स्थिति- पारिवारिक स्थिति सन्तोषजनक तथा विशिष्टता युक्त रहेगी। परिवार में किसी रोग की सम्भावना नहीं है। पारिवारिक जनों का कायिक-वाचिक-मानसिक तीनों का उत्थान होना निश्चित है। परिवार में मंगल कार्य अथवा विवाह हेतु विशेष चर्चा चलेगी, किन्तु विलम्ब से कार्य सिद्धि की दशा बनेगी। पारिवारिक संस्कार के कारण बुद्धि में निर्मलता तथा संकल्प व आचार-विचार में विशेष पवित्रता रहेगी। कुटुम्ब के लोग विकास तथा अध्ययन के क्षेत्र में विशेष रत रहेंगे। परिवार में सामंजस्य के साथ-साथ एकता तथा अखण्डता चिरस्थाई रूप में विद्यमान रहेगी। शत्रुओं के षड्यन्त्र तथा वाद-विवाद एवं क्लेश से मुक्ति मिलेगी। इस राशि वाले परिवार में मुखिया के रूप में पूजे जायेंगे। परिवार में स्नेहभाजन के रूप में अग्रगण्य रहेंगे। यदि परिवार में कदाचित् कोई समस्या भी उत्पन्न हुई तो उसका समाधान चतुराई तथा कुशाग्र बुद्धि द्वारा शीघ्र ही हल करने में समर्थ रहेंगे। परिवार में वर्चस्व तथा महानता के कारण लोग आकर्षित होकर वशीभूत रहेंगे।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह मास अति उत्तम रहेगा। अध्ययन के क्षेत्र में विशेष परिश्रम तथा दृढ़संकल्प के साथ जुड़े रहने के कारण परीक्षा में अच्छे अंको की प्राप्ति भी होगी। इस समय अध्ययन में रत रहना ही अपना कर्तव्य समझेंगे। बार-बार पुनरावृत्ति करके भी विषयों का उत्तम ज्ञान प्राप्त करने में सफल रहेंगे। गुरु द्वारा उपदिष्ट वचनों का पालन करके विद्याध्ययन में विशिष्ट सफलता प्राप्त करेंगे। विशेषतया अंग्रेजी तथा कामर्स के ज्ञानार्जन में सौभाग्य समझेंगे।

फरवरी

स्वास्थ्य- यह माह स्वास्थ्य के लिए अति उत्तम रहेगा। शनै-शनैः बीमारियों का निवारण होगा। शरीर की कान्ति चमकती हुई दिखाई देगी। रक्त-रस-मज्जा-वीर्य की अधिकता के कारण स्वास्थ्य में सुदृढ़ता तथा शक्ति सम्पन्नता चिर स्थाई रहेगी। स्वास्थ्य में मजबूती के कारण मनोबल उन्नत रहेगा।

मित्र- अकस्मात मित्रों का आगमन होगा। मित्रों के साथ सत्संग तथा वास होगा। मित्रों के सहयोग से इच्छित फल की प्राप्ति होगी तथा नई योजना में सफलता मिलेगी।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति में मजबूती आयेगी। विशेष धनागम के द्वारा आवश्यकताओं की पूर्ति होगी, किन्तु इच्छा के विपरीत व्यय भार बढ़ने से मानसिक ग्लानि होगी।

प्रतिष्ठा- यह मास यश तथा प्रतिष्ठा के लिए अति उत्तम रहेगा। सामाजिक स्तर, यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

आहार- यह मास विविध प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों एवं मिष्ठान्नों को देने वाला होगा जिससे आत्म-सन्तुष्टि तथा सन्तोष में वृद्धि होगी।

अध्ययन- इस मास का पूर्वार्द्ध अध्ययन के लिए विघ्नमय रहेगा, पर उत्तरार्द्ध का समय अच्छा रहेगा।

जीवनसाथी- जीवनसाथी का स्वास्थ्य उत्तम नहीं रहेगा। स्वास्थ्य सुधार हेतु धन तथा समय भी व्यय करना करना पड़ेगा।

सन्तान- सन्तान पक्ष से लाभ, सन्तानों की प्रगति तथा भविष्य की चिन्ता में सफलता मिलेगी। सन्तान पक्ष में उत्तम आरोग्यता का भाव रहेगा।

मार्च

स्वास्थ्य- शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शारीरिक स्फूर्ति में वृद्धि होगी। दूध-दही तथा घृत सेवन का सौभाग्य मिलेगा, जिससे स्वास्थ्य सुख अति उत्तम रहेगा। किसी रोग की सम्भावना नहीं रहेगी।

मित्र- नये-नये मित्रों से भेंट तथा सत्संग की वार्ता होगी। अतीव मुदित रहकर लोगों को प्रसन्नता का पाठ पढ़ायेंगे। मित्रों के साथ दूरस्थ यात्राओं में सफलता मिलेगी, किन्तु व्यय भार से वंचित रहेंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति स्वानुकूल रहेगी। अर्थागम के कारण दुर्लभ से दुर्लाभ कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे। भौतिक समस्त सुखों का भाग्य प्राप्त होगा। चिरस्थाई धन-सम्पत्ति का लाभ होगा।

प्रतिष्ठा- गुरुजनों तथा मित्रों द्वारा सम्मान की दृष्टि से देखे जायेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा का स्तर उच्च रहेगा। अतिथियों तथा माता-पिता और भगिनी एवं भातृ पक्ष द्वारा भी सम्मानित होंगे।

आहार- आहार की उत्तम व्यवस्था बनेगी। विविध खान-पान के कारण रमणीयता में वृद्धि तथा देह में विशेष ओज रहेगा।

अध्ययन- कायिक-वाचिक-मानसिक तीनों प्रकार से अध्ययन में रत रहेंगे और अच्छी सफलता भी प्राप्त करेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार तथा साथ में उत्तम वास एवं सामंजस्य का भाव बना रहेगा।

सन्तान- सन्तान पक्ष में आर्थिक तथा मानसिक प्रगति एवं शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति के साथ भविष्य उज्जवल रहेगा।

अप्रैल

स्वास्थ्य- शारीरिक स्वास्थ्य में कुछ शिथिलता तथा जोड़ो में दर्द की कुछ सम्भावना रहेगी। औषधि सेवन से लाभ तथा व्यय के कारण कुछ चिन्ताग्रस्त रहने की सम्भावना रहेगी।

मित्र- मित्रों के आगमन से हर्ष तथा व्यर्थ ही वार्तालाप में समय की क्षति होगी।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति विकासोन्मुख ही रहेगी। भौतिक प्रगाढ़ता में मजबूती आयेगी।

प्रतिष्ठा- मान तथा प्रतिष्ठा में कुछ कमी तथा मिथ्या आरोप से चिन्तित रहेंगे। स्वजनों तथा मित्रों द्वारा अपमान तथा अवज्ञा की स्थिति रहेगी।

आहार- मन-इच्छित आहारों में कमी रहेगी तथा ज्वरादि प्रकोपों के कारण अन्न में अरुचि की भावना बलवती रहेगी।

अध्ययन- विशेष परिश्रम करने पर भी अध्ययन के क्षेत्र में कमी तथा अंकों में अल्पता रहेगी।

जीवनसाथी- जीवनसाथी को रोगों से मुक्ति तथा पति समागम से अतीव प्रसन्नता रहेगी।

सन्तान- सन्तान पक्ष से अति मुदित रहने का सुअवसर प्राप्त करेंगे। किसी सन्तान से पृथकता की स्थिति भी बन सकती है।

मई

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख सामान्य रहेगा। रोगों में कमी तथा धीरे-धीरे स्वास्थ्य में सुधार की स्थिति बनेगी।

मित्र- मित्रों के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। मित्रों के स्वागत में व्यय और वार्तालाप से सुख में वृद्धि होगी।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति द्वारा भौतिक सुख-साधनों की पूर्ति तथा धन-संचय की क्रिया में उत्तम सफलता की प्राप्ति की सम्भावना है।

प्रतिष्ठा- उत्तम आचरण तथा पवित्र कार्यों की महत्ता से पारिवारिक तथा सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

आहार- नियमित आहार में कमी के कारण क्रोध की अधिकता तथा पाचन क्रिया में आंशिक गड़बड़ी रहेगी।

अध्ययन- अध्ययन तथा अध्यापन के क्षेत्र में यह माह श्रेयष्कर रहेगा। शनैः-शनैः लक्ष्य की पूर्ति।

जीवनसाथी- कुछ समय के लिए जीवनसाथी का वियोग तथा मानसिक वेदना में वृद्धि एवं रोगों के प्रति चिन्ता।

सन्तान- सन्तान पक्ष से आत्म सन्तुष्टि तथा आचार-विचार से मानसिक प्रसन्नता।

जून

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख उत्तम रहेगा। रोगों का निवारण शीघ्र होगा। शारीरिक दुर्बलता का विनाश तथा शारीरिक सबलता की अनुभूति करेंगे।

मित्र- मित्र गणों से अनबन तथा आंशिक अलगाव के साथ-साथ मानसिक क्लेश की चिन्ता सतायेगी।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति अनुकूल रहेगी। आर्थिक सम्पन्नता के कारण भौतिक सुखों में प्रगति की दशा।

प्रतिष्ठा- यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि तथा लोगों में चर्चा की पूरी सम्भावना से मानसिक सुख में वृद्धि होगी।

आहार- उत्तम आहार तथा फलों के सेवन का सौभाग्य मिलेगा। इच्छित आहार के कारण मानसिक अवसाद में कमी रहेगी।

अध्ययन- अध्ययन द्वारा उत्तम फलों की प्राप्ति तथा मित्रों एवं पारिवारिक जनों में सराहना के कारण मनोबल में वृद्धि की सम्भावना होगी।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के उत्तम स्वास्थ्य से हर्ष का भाव बनेगा। चतुर गृहिणी के कारण पारिवारिक तथा पति द्वारा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

सन्तान- सन्तानों का भविष्य उज्जवल तथा इनके क्रिया-कलापों से परिवार तथा माता-पिता को आत्मसन्तुष्टि होगी।

जुलाई

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य विकारयुक्त रहेगा। ज्वरादि के साथ-साथ शारीरिक पीड़ाओं का सामना करना पड़ेगा। शीत से कष्ट तथा सन्धियों में पीड़ा रहेगी।

मित्र- अकस्मात् मित्रों का आगमन तथा मित्रों की सेवा में धन व्यय की अधिकता रहेगी। मित्रों द्वारा उपहार स्वरूप वस्तुओं से अति प्रसन्नता मिलेगी।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति में सुधार की दशा चलेगी। समस्त दुःख-दरिद्रताओं का नाश तथा आर्थिक विकास भी सम्भव रहेगा।

प्रतिष्ठा- सामाजिक, पारिवारिक तथा क्षेत्रीय जनों में मान-प्रतिष्ठा तथा यश की चर्चा एवं वृद्धि में स्थिरता रहेगी।

आहार- मनोनुकूल आहार की उपलब्धियों तथा अधिक भोजन के कारण मन्दाग्नि की प्रबलता तथा उदर पीड़ा रहेगी।

अध्ययन- अध्ययन के लिए समय अनुकूल रहेगा। अध्ययन में रुचि रहेगी और उत्तम प्रकार से सफलता की प्राप्ति होगी।

जीवनसाथी- जीवनसाथी की आरोग्यता से अतीव प्रसन्नता तथा आपसी सामंजस्य में वृद्धि होगी।

सन्तान- सन्तानों के विकास की सम्भावना तथा रोगों का नाश एवं प्रतिभा में वृद्धि की पूरी सम्भावना रहेगी।

अगस्त

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य में कुछ कमजोरी तथा स्वास्थ्य के प्रति उदासीन भावना से ओत-प्रोत रहेंगे। कृशकाय जैसा परिलक्षित होंगे।

मित्र- सहसा मित्रों के साथ समागम होने से अपूर्व प्रसन्नता की प्राप्ति होगी तथा सत्संग द्वारा ज्ञान वृद्धि एवं साधना के प्रति झुकाव रहेगा।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति उछाल तथा धनागम हेतु विविध योजनाओं का आविष्कार सम्भव रहेंगे।

प्रतिष्ठा- उत्तम मान-प्रतिष्ठा तथा यश के कारण अपार हर्ष की सम्भावना रहेगी।

आहार- दूध-दही-घृत से निर्मित उत्तम पदार्थों के सेवन का सौभाग्य मिलेगा। इच्छित आहार के कारण आत्मसन्तोष रहेगा।

अध्ययन- अध्ययन के क्षेत्र में परिवर्तन तथा नवीन विषयों के अन्वेषण से चतुरता का परिचय देकर सम्मानित होंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी को प्रबल दर्द की सम्भावना तथा औषधि सेवन से विशेष लाभ के योग बनेंगे।

सन्तान- सन्तान अनुशासनप्रिय तथा भविष्य के प्रति चिन्तित रहेंगे। शास्त्र विरुद्ध कुछ कार्य करने के कारण माता-पिता के व्यक्तित्व पर प्रभाव पड़ेगा।

सितम्बर

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य में सुधार की स्थिति आयेगी। अंग-प्रत्यंग हृष्ट-पुष्ट दिखाई पड़ेंगे। उच्च मनोबल से युक्त रहेंगे।

मित्र- मित्र गणों से अर्थ लाभ होगा। मित्रों के दर्शन से प्रसन्नता की अनुभूति होगी।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक आगम के कारण वाहन-क्रय तथा भवन निर्माण की प्रवृत्ति जागृत होगी तथा सफलता भी निश्चित मिलेगी।

प्रतिष्ठा- अतिथियों तथा स्वजनों की सेवा न करने से मान-प्रतिष्ठा में आंशिक कमी की सम्भावना रहेगी।

आहार- सात्विक आहार में रुचि के कारण मानसिक दुर्बलता में कमी तथा शारीरिक शक्ति में वृद्धि होगी।

अध्ययन- पूर्ववत अध्ययन में प्रवृत्ति रहेगी। प्रतिस्पर्धा की भावना से अध्ययन करेंगे।

जीवनसाथी- कायिक-वाचिक-मानसिक तीनों प्रकार से जीवनसाथी का विकास सम्भव होगा तथा कृत्यों से आत्मसन्तुष्टि होगी।

सन्तान- सन्तान पक्ष सबल तथा विकासोन्मुख रहेंगे। सन्तान पक्ष में रोगों की बाहुल्यता मिलेगी।

अक्टूबर

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख मध्यम रहेगा। शारीरिक स्वास्थ्य हेतु योग क्रिया में रुचि रखेंगे तथा स्वास्थ्य का पूर्ण लाभ लेंगे।

मित्र- मित्रों के साथ अध्ययन तथा वातालापों से मन में प्रसन्नता बढ़ेगी तथा अपने को सौभाग्यशाली समझेंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता रहेगी। शिक्षा के क्षेत्र में धन का व्यय अधिक होगा। अर्थ के द्वारा अपने परिवार सहित दूसरों का भी भरण-पोषण करने में सक्षम रहेंगे।

प्रतिष्ठा- अनाचार के कारण प्रतिष्ठा में कमी रहेगी तथा अपयश का सामना करना पड़ सकता है।

आहार- अपने अनुकूल आहार की प्राप्ति होगी, जिससे आत्म सन्तुष्टि के साथ शारीरिक स्वास्थ्य में भी सुधार होगा।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह समय अच्छा है। समय का सदुपयोग करके लाभ उठायें।

जीवनसाथी- जीवनसाथी की अवज्ञा न करें अन्यथा हानि सम्भव है।

सन्तान- सन्तान पक्ष में सक्रियता बढ़ेगी तथा भाग्योदय में सफलता मिलेगी।

नवम्बर

स्वास्थ्य- शारीरिक स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। दूषित पदार्थों के सेवन से बचें अन्यथा स्वास्थ्य हानि सम्भव है।

मित्र- मित्रों के साथ भ्रमण करेंगे। मित्रों में अधिक व्यय भी होगा। मित्रों के समागम से लाभान्वित होंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति स्वानुकूल रहेगी। अर्थ बल से कामनाओं की सिद्धि करने में समर्थ रहेंगे।

प्रतिष्ठा- मान-यश-प्रतिष्ठा में आंशिक कमी रहेगी। स्वजनों द्वारा अपमानित हो सकते हैं।

आहार- अन्नों तथा तत्वयुक्त पदार्थों से घर परिपूर्ण रहेगा।

अध्ययन- सम्पूर्ण कार्यों का परित्याग कर अध्ययन में लीन रहेंगे और गौरवान्वित भी होंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सहसा अतीव लाभ की स्थिति बनेगी। चरित्र पर सन्देह की भावना का जन्म होगा।

सन्तान- पुत्रों का भाग्योदय शीघ्र होगा। चारित्रिक पतन में कमी तथा यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि का योग बनेगा।

दिसम्बर

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य में आंशिक कमी रहेगी। औषधियों के द्वारा स्वास्थ्य में शीघ्र लाभ होगा।

मित्र- मित्रों से पृथकता की स्थिति बनेगी, किन्तु अल्प ही समय में सन्धि वार्ता से सुख का अनुभव करेंगे।

आर्थिक स्थिति- आय के विविध साधन सम्मुख आयेंगे। प्रत्येक साधनों से धनागम होगा। नवीन आविष्कारों में धन व्यय होगा।

प्रतिष्ठा- स्थान तथा पद भ्रष्ट होने के कारण मान-प्रतिष्ठा-यश में कमी रहेगी।

आहार- नियमित तथा पुष्टिदायक आहार के कारण शारीरिक तथा मानसिक विकास और शरीर में रमणीयता सम्भव है।

अध्ययन- अध्ययन में रुचि तथा सफलता निश्चित रहेगी। विशिष्ट अध्ययन के कारण उत्तम अंकों की प्राप्ति तथा यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के साथ सामंजस्य की स्थिति बनेगी। स्त्री पक्ष से लाभ तथा सम्मान प्राप्त करेंगे।

सन्तान- सन्तानों की प्रतिभा चारों तरफ फैलेगी। सन्तानों में कर्म की भावना जागृत होगी तथा भविष्य विकासमय दिखाई देगा।

सावधानियाँ एवं उपाय

१. सात्विक आहार ग्रहण करें, मिर्च-मशाला तथा कब्जकारक पदार्थों का सेवन न करें।

२. क्रोध पर नियन्त्रण रखें।

३. माता-पिता के वचनों का पालन करें।

४. कुटुम्बीजनों जनों में सामंजस्य स्थापित करके रहें।

५. दूरस्थ यात्राओं तथा विशेष दौड़-धूप के समय वाहन से सावधान रहें।

६. मित्रजनों में विशेष व्यय न करें।

७. किए गये उपकार को अंगीकार करें।

८. प्रत्युपकार की भावना से कोई कार्य न करें।

९. शारीरिक अरोग्यता तथा तथा यश-प्रतिष्ठा एवं दीर्घ आयु हेतु राहु मन्त्र का जप प्रतिदिन नियमित रूप से यथाशक्ति अवश्य करें-

ह्रीं अर्धकायं महावीर्यं चन्द्रादित्य विमर्दनम्।

सिंहिका गर्भ सम्भूतं तं राहुं प्रणमाम्यहम्।।

अथवा ‘‘ऊँ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः’’

१०. मूँगा रत्न लगभग ५ कैरेट का स्वर्ण की अगूठी में मढ़वाकर उसे प्राण प्रतिष्ठित कराकर मंगलवार के दिन मंगल की होरा में अनामिका अँगुली में अवश्य धारण करें तो शारीरिक अभ्युदय अवश्य होगा तथा मन की पवित्रता एवं निर्मलता चिरस्थाई रहेगी तथा स्वास्थ्य विकारहीन रहेगा।

११. अधिकाधिक काले वस्त्रों तथा काले पदार्थों का दान करें। शनिवार के दिन सात जलेबी अथवा सात काला जामुन (गुलाब जामुन) अपने शरीर पर से उतार कर काल भैरव को साक्षी करके काले कुत्ते को अवश्य खिलायें।

१२. शनिवार के दिन सात काला जामुन (गुलाग जामुन) अपने शरीर पर से सात बार उतार कर किसी विकलांग (अपाहिज) व्यक्ति को दक्षिणा के साथ प्रदान करें।